[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6945 **IC**

Unique Paper Code : 72052802

Name of the Paper : हिंदी भाषा और सम्प्रेषण
(MIL Communication)

Name of the Course : **Ability Enhancement Compulsory Course– CBCS**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. भाषिक सम्प्रेषण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

सम्प्रेषण के विभिन्न मॉडल का परिचय दीजिए । (10)

2. सम्प्रेषण के मौखिक एवं लिखित रूपों में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

P.T.O.

Scanned by CamScanner

सम्प्रेषण की बाधाओं और उसके समाधान की रणनीति का उल्लेख कीजिए (10)

3. संवाद का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसका महत्त्व लिखिए।

अथवा

प्रभावी सम्प्रेषण को स्पष्ट करते हुए उसके विविध आयामों का विवे कीजिए। (10)

4. भाषिक क्षमता के विकास में गहन अध्ययन और अध्याहार की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों को रेखांकित कीजिए। (10)

5. टिप्पणी लिखिए :

(क) सम्प्रेषण की प्रक्रिया **अथवा** सम्प्रेषण की चुनौतियाँ (6)

(ख) वैयक्तिक सम्प्रेषण **अथवा** सामाजिक सम्प्रेषण (6)

(ग) व्यावसायिक सम्प्रेषण **अथवा** भ्रामक सम्प्रेषण (6)

6. टिप्पणी लिखिए :

(क) एकालाप **अथवा** सामूहिक चर्चा (6)

(ख) विश्लेषण **अथवा** व्याख्या (6)

(ग) सार **अथवा** अन्वय (5)

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7006 **IC**

Unique Paper Code : 62051102

Name of the Paper : Hindi – A

Name of the Course : **B.A. (Programme) – CBCS**

Semester : I

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) जैसी मुष तें नीकसै, तेसी चालै नाहिं।

मानिष नहीं ते स्वान गति, बांध्या जमपुर जाँहि।।

जप तप दीसै थोथरा, तीरथ ब्रत बेसास।

सूर्व सैबल सेविया, यों जग चल्या निरास।।

अथवा

P.T.O.

Scanned by CamScanner

हरि म्हारा जीवण प्राण अधार ।।

और आसिरो णा म्हारा थें विण, तीनूँ लोक मँझार ।

थें विण म्हाणे जग णा सुहावाँ, निरख्याँ सब संसार ।

मीराँ रे प्रभु दासी रावली, लीज्यो णेक णिहार ।।

(ख) मरतु प्यास पिंजरा परयौ सुआ समै कैं फेर ।

आदरू दै दै बोलियतु बाइसु बलि की बेर ।।

वे न इहाँ नागर, बढ़ी जिन आदर तो आब ।

फूल्यौ अनफूल्यौ भयौ गँवई-गाँव, गुलाब ।।

अथवा

हीन भएँ जलमीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै ।

नीर सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै ।

प्रीति की रीति सु क्यौं समझै जड़, मीत के पानि परें को प्रमानै ।

या मन की जु दसा घनआनंद जीव की जीवनि जान ही जानै ।।

(ग) अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महा दुष्कर्म है ।

न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना धर्म है ।

इस तत्व पर ही कौरवों से पाण्डवों का रण हुआ,

जो भव्य भारतवर्ष के कल्पान्त का कारण हुआ ।।

Scanned by CamScanner

अथवा

मेरे नगपति मेरे विशाल!
साकार, दिव्य, गौरव विराट्,
पौरूष के पुंजीभूत ज्वाल!
मेरी जननी के हिम-किरीट!
मेरे भारत के दिव्य भाल!
मेरे नगपति! मेरे विशाल! (10×3=30)

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए :

(क) जयशंकर प्रसाद

(ख) नागार्जुन (10)

3. कबीर की भक्ति-भावना विषय पर निबंध लिखिए।

अथवा

रीतिमुक्त काव्यधारा में घनानंद का स्थान निर्धारित कीजिए। (10)

4. नागार्जुन की 'बादल को घिरते देखा हैं' कविता का सार लिखिए।

अथवा

Scanned by CamScanner

जयशंकर प्रसाद के 'हिमाद्रि तुंग शृंग से' कविता में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) हिन्दी भाषा का विकास

(ख) निर्गुण काव्य-धारा का सामान्य परिचय

(ग) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

(घ) छायावाद

(ङ) प्रगतिवाद

(च) प्रयोगवाद

(3×5=15)

Scanned by CamScanner

8044

estion paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

f Question Paper : 7007 IC

Paper Code : 62051103

f the Paper : Hindi 'B'

f the Course : B.A. (Prog.) CBCS

er : I

घंटे पूर्णांक : 75

लिए निर्देश

प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक खिए।

ी प्रश्न अनिवार्य हैं।

नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10 + 10 + 10 = 30)

) पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ

ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होइ ।।

अथवा

P.T.O.

Scanned by CamScanner

रथ हाँकेउ हयं राम तन हेरि-हेरि हिहिनाहिं

देखि निषाद बिषादबस धुनहिं सीस पछिताहिं ।।

(ख) सजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग जीतन हैं

भूषन भनत नाद-विहद नगारन के, नदी नद मद गैबरन के हैं ।

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैलपैल उसलत हैं ।

तारा सो तरनि धूरि - धारा में लगत जिमि, धारा पर पारा यों हलत हैं ।।

अथवा

बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ ।

सौंह करैं भौंहन हंसै, दैन कहैं नटि जाइ ।।

(ग) यह मेरी गोदी की शोभा, सुख सुहाग की है लाली

शाही शान भिखारिन की है, मनोकामना मतवाली ।

अथवा

Scanned by CamScanner

काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर
कलुष-भेद तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे ।।

2. तुलसीदास **अथवा** कबीर की रचनाओं के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । (10)

3. बिहारी **अथवा** भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य लिखिए । (10)

4. 'बालिका का परिचय' **अथवा** 'वर दे वीणावादिनी' कविता के साहित्यिक सौंदर्य पर प्रकाश डालिए । (10)

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (5)

(i) हिंदी भाषा का उद्भव ;

(ii) अवधी ।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5 + 5 = 10)

(क) भक्तिकाल ;

Scanned by CamScanner

(ख) भारतेन्दु युग ;

(ग) प्रगतिवाद ;

(घ) छायावाद ।

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7455 **IC**

Unique Paper Code : 12051101

Name of the Paper : हिंदी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास

Name of the Course : **B.A. (Hons.) HINDI – CBCS**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भारोपीय भाषा परिवार का परिचय दीजिए। (14)

अथवा

हिंदी भाषा के क्रमिक विकास का उल्लेख कीजिए।

2. हिंदी भाषा के क्षेत्र एवं उसकी बोलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (14)

अथवा

राष्ट्रभाषा और राजभाषा के अंतर को स्पष्ट करते हुए राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी की स्थिति स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

लिपि की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। (14)

अथवा

भारत में लिपि के विकास की अवस्थाओं पर प्रकाश डालिए।

देवनागरी लिपि के विकास पर अन्य लिपियों के प्रभाव को रेखांकित कीजिए। (14)

अथवा

एक आदर्श लिपि के गुण बताते हुए देवनागरी की विशेषताओं का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (6,6,7)

(क) मध्यकाल में हिंदी का विकास ;

(ख) ब्राह्मी लिपि का परिचय ;

(ग) देवनागरी लिपि और कंप्यूटर ;

(घ) हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ ;

(ङ) हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप ।

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7456 **IC**

Unique Paper Code : 12051102

Name of the Paper : हिंदी कविता (आदिकालीन एवं भक्तिकालीन काव्य)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी साहित्य में अमीर खुसरो के योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विद्यापति 'भक्त कवि हैं या शृंगारी' ? विचार कीजिए। (12)

2. कबीर की भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'मधुमालती' में वर्णित प्रेम व्यंजना पर प्रकाश डालिए। (12)

P.T.O.

Scanned by CamScanner

3. 'मीरा की उपासना 'माधुर्य' भाव की थी' - इस कथन के आधार पर मीरा की भक्ति की विषेशताएँ लिखिए।

अथवा

सूरदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए। (12)

4. तुलसीदास की समन्वय भावना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

तुलसीदास की काव्य-कला पर विचार कीजिए। (12)

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) कबीर कर पकरैं अंगुरी गिनैं, मन धावै चहुं वोर।
जाहि फिरायां हरि मिलै, सो भया काठ कठोर।।
कबीर केसौं कहा बिगाड़िया, जे मूडै सौ बार।
मन कौं काहे न मूंडिए, जामैं बिशै बिकार।।

अथवा

नांक सरूप न बरनै पारौं। तीनिउं भुवन हेरि कै हारौं।
कीर ठोर औ खरग कै धारा। तिलक फूल मैं बरनि न पारा।
उदयागिरि जौ कहौं तौ नाहीं। ससि सूरुज दुइ बाद कराहीं।
निकट न कोउअ संचरै पारा। निसि दिन जियै सो बास अधारा।
केहि दै जोर पटतरौं नासा। ससि सूरज जेहि करहिं बतासा।
नांक, सरूप सोहागिनि केहि लै लावौं भाउ।
जा कहं ससि सूरुज निसि बासर ओसारीं सारहिं बाउ। (8)

Scanned by CamScanner

(ख) ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवै दीनपर राम सरिस कोउ नाहीं ।।
जो गति जोग बराग जतन करि नहिं पावत मुनि ग्यानी।
सो गति देत गीध सबरी कहँ प्रभु न बहुत जिय जानी ।।
जो संपति दस सीस अरप करि रावन सिव पहँ लीन्हीं।
सो संपदा बिभीशन कहँ अति सकुच-सहित हरि दीन्हीं ।।
तुलसिदास सब भाँति सकल सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम, काम सब पूरन करैं कृपानिधि तेरो ।।

अथवा

धूत कहौ, अवधूत कहौ, राजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहूकी बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ।
तुलसी सरनाम गुलामु है रामको, जाको रुचौ सो कहै कछु ओऊ।
माँगि कै खैबो, मसीतको सोइबो, लैबोको एकु न दैबेको दोऊ ।।

(7)

निम्नलिखित पद्यांशों में दिए गए निर्देश के अनुसार किन्हीं दो का रचना कौशल विश्लेषित कीजिए : (6×2=12)

(क) हेरी म्हा तो दरद दिवाणाँ म्हाराँ दरद न जाण्याँ कोय ।।टेक।।
घायल रो गत घायल जाण्याँ, हिबड़ो अगण सँजोय।
जौहर की गत जौहरी जाण्यां, क्या जाण्याँ जिण खोय।
दरद को मारयां दर दर डोल्याँ वैद मिल्या णा कोय।
मीराँ री प्रभु पीर मिटाँगा जब वैद साँवरो होय ।। (प्रेम की पीर)

P.T.O.

Scanned by CamScanner

अथवा

अति मलीन वृशभानु-कुमारी
हरि स्रम-जल भीज्यौ उन-अंचलए तिहिँ लालच न धुवावति सारी
अध मुख रहति अनत नहिँ चितवति, ज्यौं गथ हारे थकित जुवारी
छूटे चिकुर बदन कुम्हिलाने, ज्यौं नलिनी हिमकर की मारी ।।
हरि सँदेस सुनि सहज मृतक भइ, इक बिरहिनि, दूजे अलि जारी
सूरदास कैसैं करि जीवैं ब्रज बनिता बिन स्याम दुखारी ।।

(भाव सौंदर्य

(ख) काहे ही नलनी तूं कुम्हिलांनीं,
तेरे ही नालि सरोवर पांनीं ।।टेक।।
जल मैं उतपति जल मैं बास, जल मैं नलनीं तोर निवास ।
ना तलि तपति न ऊपरी आगि, तोर हेतु कहु कासनि लागि ।
कहै कबीर जे उदिक समांन, ते नहीं मूए हमारे जान ।।

(प्रतीकात्मकत

अथवा

चकवा चकवी दो जने उनको मारे न कोय ।
ईह मारे करतार कै रैन बिछोही होय ।।

सेज सूनी देख के रोऊं दिन-रैन ।
पिया पिया कहती मैं पल भर सुख न चौन ।। (रहस्य भावन

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7592 **IC**

Unique Paper Code : 12055103

Name of the Paper : Hindi Cinema Aur Uska Adhyayan

Name of the Course : **B.A. (H)/B.Sc. (H)/B.Com. (H) Hindi – CBCS – GE**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. 'सिनेमा कला, उद्योग और व्यवसाय का अनूठा संगम है' - इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

हिंदी सिनेमा पर नव सिनेमा (कला सिनेमा) आन्दोलन के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। (14)

2. हिंदी सिनेमा के विकास के विविध चरणों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

P.T.O.

Scanned by CamScanner

हिंदी सिनेमा के सौ वर्षों की विकास-यात्रा में महिलाओं की बदलती छवि का आकलन कीजिए। (14)

3. 'कैमरा सिनेमा निर्माण का मूल आधार है' - इस कथन का परीक्षण कीजिए।

अथवा

सिनेमा निर्माण में कैमरे की भूमिका एवं महत्त्व का प्रतिपादन कीजिए। (14)

4. 'मदर इंडिया' **अथवा** 'पीके' फिल्म की समीक्षा कीजिए। (14)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) सिनेमा और रंगमंच ;

(ख) डबिंग ;

(ग) 'इंडोर' एवं 'आउटडोर' शूटिंग ;

(घ) सिनेमा के समक्ष चुनौतियाँ ;

(ङ) 'मुगले आज़म' फिल्म में गीत-संगीत। (6,6,7)

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7595 **IC**

Unique Paper Code : 11015110

Name of the Paper : संस्कृति, साहित्य और मीडिया

Name of the Course : **बी. ए. (ऑनर्स) – हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार – CBCS (Generic Elective)**

Semester : I

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।

1. संस्कृति की बहुवचनीयता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संस्कृति के निर्माण में लोकसंस्कृति की भूमिका पर प्रकाश डालिए। (15)

2. पत्रकारिता और हिन्दी साहित्य के अंतरसंबंध की व्याख्या कीजिए।

अथवा

स्वतंत्रतापूर्व हिंदी के किन्हीं दो पत्रकारों का सामान्य परिचय दीजिए। (15)

P.T.O.

Scanned by CamScanner

3. प्रादेशिक और राष्ट्रीय मीडिया का अंतर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

"विज्ञापन के वर्चस्व ने भाषाई संकट पैदा कर दिया है" कथन की समीक्षा कीजिए। (15)

4. साहित्य पर आधारित किसी एक हिन्दी धारावाहिक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

किसी एक साहित्यिक कृति के सिनेमाई रूपान्तरण का मूल्यांकन कीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) नवजागरण ;

(ख) हिंदी पत्र-पत्रिकाओं में साहित्य ;

(ग) मीडिया और संस्कृति ;

(घ) साहित्य और टेली फिल्में। (8,7)

Scanned by CamScanner

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7414

Unique Paper Code : 62051312 IC

Name of the Paper : Hindi A

Name of the Course : B.A. (Programme) Hindi : CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×7.5=15

(क) आद्रा नक्षत्र; आकाश में काले-काले बादलों की घुमड़, जिसमें देव-दुन्दुभी का गंभीर घोष। प्राची के एक निरभ्र कोने से स्वर्ण-पुरुष झाँकने लगा था—देखने लगा महाराज की सवारी। शैलमाला के अंचल में समतल उर्वरा-भूमि से सोंधी वास उठ रही थी। नगर-तोरण से जयघोष हुआ, भीड़ में गजराज का चामरधारी शुण्ड उन्नत दिखाई पड़ा। वह हर्ष और उत्साह का समुद्र हिलोरें भरता हुआ आगे बढ़ने लगा।

अथवा

सफलता और चरितार्थता में अन्तर है। मनुष्य मारणास्त्रों के संचयन से, बाह्य उपकरणों के बाहुल्य से उस वस्तु को पा भी सकता है, जिसे उसने बड़े आडम्बर के साथ सफलता का नाम दे रखा है। परन्तु मनुष्य की चरितार्थता

P.T.O.

Scanned by CamScanner

प्रेम में है, मैत्री में है, त्याग में है, अपने को सबके मंगल के लिए निःशेष भाव से दे देने में है। नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की उस अन्ध सहजात वृत्ति का परिणाम है, जो उसके जीवन में सफलता ले आना चाहती है, उसको काट देना उस स्व-निर्धारित, आत्म-बन्धन का फल है, जो उसे चरितार्थता की ओर ले जाती है।

(ख) अँधेर नगरी अनबूझ राजा।

टका सेर भाजी टका सेर खाजा।।

नीच ऊँच सब एकहि ऐसे।

जैसे भँडुए पंडित तैसे।।

कुल-मरजाद न मान बड़ाई।

सबै एक से लोग-लुगाई।।

जात-पाँत पूछै नहिं कोई।

हरि को भजै सो हरि का होई।।

वेश्या जोरू एक समाना।

बकरी गऊ एक करि जाना।

साँचे मारे मारे डोलैं।

अथवा

तुम नेता होने जा रहे हो या कोई मजाक है? जानते नहीं, नेता लोग कभी अपने परिवार के बारे में नहीं सोचते; वे देश के, सम्पूर्ण राष्ट्र के बारे में सोचते हैं। तुम्हें मेरे आदेश के अनुसार चलना होगा। जानते हो, मैं तुम्हारी स्रष्टा हूँ, तुम्हारी विधाता।

Scanned by CamScanner

2. उपन्यास की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

निबन्ध के विकास को स्पष्ट कीजिए।

3. 'मलबे का मालिक' कहानी के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है? स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

मधूलिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

4. 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। 12

अथवा

निबंध के तत्वों के आधार पर 'उत्साह' निबंध की समीक्षा कीजिए।

5. नाटक के तत्वों के आधार पर 'अँधेर नगरी' नाटक की समीक्षा कीजिए। 12

अथवा

'घीसा' पाठ का सार लिखिए।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 12

(क) भारतेन्दुयुगीन गद्य साहित्य की विशेषताएँ

(ख) नई कहानी।

Scanned by CamScanner

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 7415

Unique Paper Code : 62051313 IC

Name of the Paper : हिंदी भाषा और साहित्य

Name of the Course : B.A. (Programme) Hindi B CBCS

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

हिंदी कहानी के विकास की रूपरेखा स्पष्ट कीजिए।

2. 'उसने कहा था' कहानी के कथ्य को अपने शब्दों में लिखिए। 12

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'गुंडा' कहानी की समीक्षा कीजिए।

3. 'सदाचार का ताबीज' व्यंग्य की दृष्टि से एक आदर्श रचना है।' स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

'मेले का ऊंट' निबंध के मूल भाव को स्पष्ट कीजिए।

4. 'अंधेर नगरी' की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

'बिबिया' के चरित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

5. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10

(क) उसी समय समस्त न्याय और बुद्धिवाद को शस्त्र-बल के सामने झुकते देखकर काशी के विच्छिन्न और निराश नागरिक जीवन ने, एक नवीन सम्प्रदाय की सृष्टि की—वीरता जिसका धर्म था। अपनी बात पर मिटना, सिंह-वृत्ति से जीविका ग्रहण करना; प्राण-भिक्षा माँगने वाले कायरों तथा चोट खाकर गिरे हुए प्रतिद्वंद्वी पर शस्त्र न उठाना, सताए निर्बलों को सहायता देना और प्रत्येक क्षण प्राणों को हथेली पर लिए घूमना, उसका बाना था। उन्हें लोग काशी में गुंडा कहते थे।

(ख) "चार दिन तक पलक नहीं झँपी। बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही। मुझे तो संगीन चढ़ाकर मार्च का हुक्म मिल जाए। फिर सात जर्मनों को अकेला मारकर न लौटूं तो मुझे दरबार साहब की देहली पर मत्था टेकना नसीब न हो। पाजी कहीं के, कलों के घोड़े—संगीन देखते ही मुंह फाड़ देते हैं और पैर पकड़ने लगते हैं। यों अँधेरे में तीस-तीस मन का गोला फेंकते हैं। उस दिन धावा किया था—चार मील तक एक जर्मन नहीं छोड़ा था। पीछे जनरल साहब ने हट आने का कमान दिया नहीं तो....."

Scanned by CamScanner

(ग) सेत सेत सब एक से, जहां कपूर कपास।
ऐसे देस कुदेस में, कबहूँ न कीजै बास।।
कोकिल बायस एक सम, पंडित मूरख एक।
इन्द्रायन दाड़िम विषय, जहां न नेकु विवेक।।
बसिए ऐसे देस नहीं, कनक-वृष्टि जो होय।
रहिए तो दुःख पाइए, प्रान दीजिए रोय।।

6. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 7

(क) संस्मरण

(ख) उपन्यास के तत्व

(ग) नाटककार भारतेंदु।

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7512

IC

Unique Paper Code : 12051301

Name of the Paper : Hindi Sahitya Ka Itihas (Aadhunik Kaal)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Hindi – CBCS**

Semester : III

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नवजागरण के संदर्भ में भारतेंदु युगीन साहित्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन में महावीर प्रसाद द्विवेदी की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। (15)

2. हिंदी कहानी की विकास-यात्रा का विवेचन कीजिए।

अथवा

P.T.O.

Scanned by CamScanner

हिंदी निबंध की विकास-यात्रा का परिचय दीजिए। (15)

3. उत्तर छायावादी काव्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

प्रयोगवादी काव्य की विशेषताएँ लिखिए। (15)

4. समकालीन कविता की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

अथवा

'दलित विमर्श सांस्कृतिक पराधीनता से मुक्ति के विकल्प की बात करता है'- सोदाहरण विश्लेषण कीजिए। (15)

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (8,7)

(क) मध्यकालीन बोध

(ख) हिंदी नाटक

(ग) प्रगतिवाद

(घ) स्त्री विमर्श

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7513 **IC**

Unique Paper Code : 12051302

Name of the Paper : हिन्दी कविता (आधुनिक काल-छायावाद तक)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) स्वयं सुसज्जित करके क्षण में,
प्रियतम को, प्राणों के पण में,
हमीं भेज देती हैं रण में,-
क्षात्र धर्म के नाते।
सखी, वे मुझसे कहकर जाते

अथवा

P.T.O.

Scanned by CamScanner

अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा,
श्याम तृण पर बैठने को, निरुपमा।
बह रही है हृदय पर केवल अमा,
मैं अलक्षित हूँ, यही
कब कह गया है।

(8)

(ख) मित्रता बड़ा अनमोल रतना कब इसे तोल सकता है धन।
धरती की तो है क्या बिसात, आ जाए अगर बैकुण्ठ हाथ,
उसको भी न्यौछावर कर दूँ, कुरुपति के चरणों पर धर दूँ।

अथवा

यह सुख कैसा शासन का ?
शासन रे मानव मन का !
गिरी-भार बना-सा तिनका,
यह घटाटोप दो दिन का-
फिर रवि-शशि-किरणों का प्रसंग !
जलता है यह जीवन - पतंग !

(7)

2. 'यशोधरा' के विरह-वर्णन पर विचार कीजिए।

अथवा

यशोधरा की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (12)

3. 'अशोक की चिन्ता' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

Scanned by CamScanner

अथवा

जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए। (12)

4. पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं के आधार पर निराला की सामाजिक चेतना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निराला की काव्यभाषा का विवेचन कीजिए। (12)

5. दिनकर ओज, औदात्य एवं वीर रस के कवि हैं। विचार कीजिए।

अथवा

सुभद्रा कुमारी चौहान की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (12)

6. दिए गए निर्देशों के आधार पर निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **दो** का रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए :

जलने को ही स्नेह बना। **(निर्देश – प्रेम – पीड़ा)**
उठने को ही वाष्प बना है,
गिरने को ही मेह बना।
जलता स्नेह जलावेगा ही,
फोले वाष्प फलावेगा ही,
मिट्टी मेह गलावेगा ही,
सब सहने को देह बना !
जलने को ही स्नेह बना !

Scanned by CamScanner

अथवा

मुक्ति जल की वह शीतल बाढ़, जगत की ज्वाला करती शांत।

(निर्देश – बौद्ध दर्शन

तिमिर का हरने को दुख भार, तेज अमिताभ अलौकिक कांत।
देव कर से पीड़ित विक्षुब्ध, प्राणियों से कह उठा पुकार–
तोड़ सकते हो तुम भव–बंध, तुम्हें है यह पूरा अधिकार।

अथवा

वीरों का कैसा हो बसंत ? (निर्देश – भाव सौन्दर्य

आ रही हिमालय से पुकार,
है उदधि गरजता बार–बार
प्राची, पश्चिम, भू, नभ अपार,
सब पूछ रहे हैं, दिग्–दिगंत,
वीरों का कैसा हो बसंत ? (6,6)

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7514 **IC**

Unique Paper Code : 12051303

Name of the Paper : Hindi Kahani

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शिल्प की दृष्टि से 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

'छोटा जादूगर' कहानी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

2. 'पाजेब' बाल मन की कहानी है – विश्लेषण कीजिए।

अथवा

'तीसरी कसम' कहानी के प्रतिपाद्य का युक्तियुक्त विवेचन कीजिए। (12)

P.T.O.

Scanned by CamScanner

3. 'परिंदे' कहानी की लतिका का चरित्र चित्रण कीजिए। (12)

अथवा

'दोपहर का भोजन' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

4. 'जंगल जातकम' एक प्रतीकात्मक कहानी है – स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

शिल्प की दृष्टि से 'घुसपैठिए' कहानी का विश्लेषण कीजिए।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×3=27)

(क) लड़ाई के समय चाँद निकल आया था. ऐसा चाँद जिसके प्रकाश से संस्कृत कवियों का दिया हुआ 'क्षयी' नाम सार्थक होता है। और हवा ऐसी चल रही थी जैसी बाणभट्ट की भाषा में 'दंतवीणोपदेशाचार्य' कहलाती। वजीरा सिंह कह रहा था कि कैसे मन-मन भर फ्रांस की भूमि मेरे बूटों से चिपक रही थी, जब मैं दौड़ा-दौड़ा पीछे गया था। सूबेदार, लहनासिंह से सारा हाल सुन और कागजात पाकर उसकी तुरंत बुद्धि को सराह रहे थे कि तू न होता तो आज सब मारे जाते।

अथवा

मुन्नी उसके पास से दूर हट गई और आँखे तरेरती हुई बोली – कर चुके दूसरा उपाय ? जरा सुनूं कौन उपाय करोगे ? कोई खैरात दे देगा कम्मल ? न जाने कितनी बाकी है, जो किसी तरह चुकाने में ही नहीं

Scanned by CamScanner

आती. मैं कहती हूँ, तुम क्यों नहीं खेती छोड़ देते ? मर-मर कर काम करो, उपज हो तो बाकी दे दो, चलो छुट्टी हुई। बाकी चुकाने के लिए ही तो हमारा जन्म हुआ है। पेट के लिए मजूरी करो। ऐसी खेती से बाज आए। मैं रूपए न दूंगी- न दूंगी।

(ख) पेड़ बड़े उद्विग्न मन से सिर झुकाए तालाब की तरफ चले। वे खेमों के पास पहुंचे ही थे कि उन्हें सन्नाटे को तोड़ती हुई एक चीख सुनाई पड़ी - "बहादुरों ! यही वह बस्ती है जिसे हमें उजाड़ना है, खत्म करना है। हमें मनुष्यों के लिए मिल खड़ी करनी है, कारखाने बनाने हैं, कोयलों की खान खोदनी है। ये निहत्थे पेड़, झाड-झंखाड़ ! इनके लम्बे-चौड़े आकार से डरने की जरूरत नहीं। हमें जल्दी ही इनके वजूद को मिटा देना है...."

अथवा

शाहनी चौंक पड़ी। देर - मेरे घर में मुझे देर ! आंसुओं की भंवर में न जाने कहाँ से विद्रोह उमड़ पडा। मैं पुरखों के इस बड़े घर की रानी और वह मेरे अन्न पर पले हुए ... नहीं, यह सब कुछ नहीं। ठीक है - देर हो रही है। देर हो रही है। शाहनी के कानों में जैसे यही गूँज रहा है - देर हो रही है - पर नहीं शाहनी रो-रो कर नहीं, शान से निकलेगी इस पुरखों के घर से, मान से लांघेगी यह देहरी, जिस पर एक दिन वह रानी बनकर आ खड़ी हुई थी। अपने लड़खड़ाते कदमों को संभालकर शाहनी ने दुपट्टे से आँखें पोंछी और ड्योढ़ी से बाहर हो गई।

Scanned by CamScanner

(ग) गजाधर बाबू ने आहत, विस्मित दृष्टि से पत्नी को देखा। उनसे अपनी हैसियत छिपी न थी। उनकी पत्नी तंगी का अनुभव कर उसका उल्लेख करती, यह स्वाभाविक था, लेकिन उनमें सहानुभूति का पूर्ण अभाव गजाधर बाबू को बहुत खटका। उनसे यदि राय-बात हो जाती कि प्रबंध कैसे हो, तो उन्हें चिंता कम संतोष अधिक होता। लेकिन उनसे तो केवल शिकायत की जाती थी, जैसे परिवार की सब परेशानियों के लिए वही जिम्मेदार थे।

अथवा

मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों में छल-छल आंसू बहने लगे. वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती, पर वह बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बाँध तोड़कर उमड़ आए हों। माँ ने बहुतेरा दिल को समझाया, हाथ जोड़े, भगवान् का नाम लिया, बेटे के चिरायु होने की प्रार्थना की। बार-बार आँखें बंद की, मगर आँसू बरसात के पानी की पानी की तरह जैसे थमने में ही न आते थे। आधी रात का वक्त होगा। मेहमान खाना खाकर एक-एक करके जा चुके थे। माँ दीवार से सटकर बैठी आँखें फाड़े दीवार को देखे जा रही थी। घर के वातावरण में तनाव ढीला पड़ चुका था।

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7703 **IC**

Unique Paper Code : 12053303

Name of the Paper : सोशल मीडिया

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi CBCS (SEC)**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सोशल मीडिया की आचार संहिता का विस्तृत विवेचन कीजिए।

अथवा

सोशल मीडिया की भाषा समाज को कैसे प्रभावित करती है ? स्पष्ट कीजिए।

(12)

2. सोशल मीडिया में गवर्नेंस का क्या स्थान है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

P.T.O.

Scanned by CamScanner

जनसंपर्क और जनमत निर्माण में सोशल मीडिया की भूमिका का विवेचन कीजिए । (12)

3. 'सोशल मीडिया का उपभोगकर्ता स्वयं ही संपादक होता है ।'- कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के इस युग में ब्रांड मेकिंग में सोशल मीडिया किस प्रकार सहायक है ? स्पष्ट कीजिए । (12)

4. 'सोशल मीडिया स्त्री सशक्तिकरण में सहायक है',- इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ?

अथवा

आपात्काल में सोशल मीडिया की सकारात्मक भूमिका क्या होनी चाहिए ? विस्तार से बताइए । (12)

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) सोशल मीडिया के प्रकार

(ख) बाज़ार की रणनीति

(ग) बाल-मन और सोशल मीडिया

(घ) सोशल मीडिया और जनजागरूकता

(ङ) फेसबुक और व्हाट्स एप (9+9+9=27)

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7808 **IC**

Unique Paper Code : 12055302

Name of the Paper : Bhasha Aur Samaj

Name of the Course : **BA (Hons.)/B.Sc. (H)/B.Com. (H) Hindi – CBCS – Generic Elective**

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा-व्यवस्था और भाषा-व्यवहार में परस्पर संबंध स्थापित करते हुए उनके अंतर का विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

समाज भाषाविज्ञान की संकल्पना स्पष्ट करते हुए भाषा और समाज के अंतर्संबंध की समीक्षा कीजिए।

2. हिंदी भाषा के सन्दर्भ में भाषा और समुदाय की संकल्पना स्पष्ट कीजिए। (15)

P.T.O.

Scanned by CamScanner

अथवा

द्विभाषिकता और बहुभाषिकता से क्या तात्पर्य है ? स्पष्ट कीजिए।

3. भाषा और संस्कृति से क्या अभिप्राय है ? उनके पारस्परिक संबंध का विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

व्यक्ति, समाज और भाषा वर्ग का विवेचन कीजिए।

4. भाषा-नमूनों के विश्लेषण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

भाषा के नवीन प्रयोगों का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी कीजिए : (8+7)

(क) भाषा का समाजशास्त्र

(ख) भाषा और जाति

(ग) भाषायी अस्मिता और जेण्डर

(घ) भाषा और नमूनों का सर्वेक्षण

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7891 **IC**

Unique Paper Code : 1201501

Name of the Paper : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi – CBCS**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत की विवेचना कीजिए। (12)

अथवा

उदात्त का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके विरोधी तत्त्वों पर प्रकाश डालिए।

2. 'कॉलरिज के कविता विषयक सिद्धांत की समीक्षा कीजिए। (12)

अथवा

इलियट के अनुसार परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

3. स्वच्छंदतावाद पर एक आलेख लिखिए।

अथवा

'यथार्थवाद, आदर्शवाद के विरोध में उठने वाला आन्दोलन है।' इस कथन के आधार पर यथार्थवाद का विश्लेषण कीजिए। (12)

4. बिम्ब को परिभाषित करते हुए काव्य में उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए। (12)

अथवा

मिथक को परिभाषित करते हुए साहित्य के साथ उसके अन्तर्सम्बन्धों को व्याख्यायित कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :- (9×3=27)

(i) त्रासदी के कथानक के अंग

(ii) कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत

(iii) संरचनावाद

(iv) उत्तर-संरचनावाद

(v) फैंटेसी

(vi) काव्य में विसंगति-बोध

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7916 **IC**

Unique Paper Code : 12051502

Name of the Paper : हिंदी नाटक/एकांकी

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi – CBCS**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (9×3=27)

(क) दुनिया में हाथ पैर हिलाना नहीं अच्छा।
मर जाना पै उठके कहीं जाना नहीं अच्छा॥
बिस्तर पे मिस्ले लोथ पड़े रहना हमेशा।
बंदर की तरह धूम मचाना नहीं अच्छा॥
"रहने दो जमीं पर मुझे आराम यहीं है।"
छेड़ों न नक्शेपा हैं, मिटाना नहीं अच्छा।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

अथवा

उपजा इश्वर कोप से, औ आया भारत बीच।
छार-खार सब हिंद करूँ मैं, तो उत्तम नहिं नीच।
मुझे तुम सहज न जानो जी, मुझे इक राक्षस मानो जी।
कौड़ी-कौड़ी को करूँ, मैं सबको मुहताज।
भुखै प्रान निकालूँ इनका, तो मैं सच्चा राज।

(ख) कुछ नहीं, मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु-संपत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का अभ्यास बना लिया है। वह मेरे साथ नहीं चल सकता। यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो। हाँ! तुमलोगों को आपत्ति से बचाने के लिए मैं स्वयम् यहाँ से चली जाऊँगी।

अथवा

रोष है, हाँ, मैं रोष से जली जा रही हूँ। इतना बड़ा उपहास-धर्म के नाम पर स्त्री-आज्ञाकारिता की यह पैशाचिक परीक्षा, मुझसे बलपूर्वक ली गयी है। पुरोहित! तुमने जो मेरा राक्षस-विवाह कराया है, उसका उत्सव भी कितना सुंदर है! यह जन संहार देखो, अभी उस प्रकोष्ठ में रक्त सनी हुई शकराज की लोथ पड़ी होगी। कितने ही सैनिक दम तोड़ते होंगे, और इस रक्तधारा में तिरती हुई मैं राक्षसी-सी साँस ले रही हूँ। तुम्हारा स्वस्त्ययन मुझे शांति देगा ?

Scanned by CamScanner

(ग) धर्म, ईश्वर, भाग्य सबकी उँगलियों से घूमता
आदमी मिट्टी का लोदा चाक पर है झूमता।
नेकी, सच्चाई, शराफत धर के सब कुछ ताक पर।
थोड़े नकटे भी यहाँ इतरा रहे हैं नाक पर।
एक नारा ढलता है हर नई बरबादी के बाद
आसरम ही आसरम खुल गए आजादी के बाद।

अथवा

हाँ! लेकिन यह बेताबी क्यों है ? देखो, आदमी के सामने सबसे बड़ा मसला यह है कि वह अपनी सरप्लस एनर्जी किस तरह काम में ले आए। आदिम जंगलीपन से लेकर आज तक की तहजीब तक जो कुछ भी आदमी ने अपने को दुखी या सुखी बनाने के लिए किया है, वह इस सरप्लस एनर्जी को काम में लाने के लिए। फिर दुःख या सुख तो इतनी ठोस चीजें हैं कि एक दिन तुम देखोगी कि यह यह शीशियों में बिका करेंगी, शीशियों में!

2. 'भारत दुर्दशा' नाटक के आधार पर भारतेंदु की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भारत दुर्दशा' नाटक की प्रतीकात्मरकता का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

(12)

P.T.O.

Scanned by CamScanner

3. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक भारतीय नारी के स्वाभिमान का प्रतीक है - विवेचन कीजिए।

अथवा

'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए। (12)

4. 'बकरी' नाटक में निहित राजनीतिक व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नाटक के तत्वों के आधार पर 'बकरी' नाटक की समीक्षा कीजिए। (12)

5. 'दीपदान' एकांकी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'सूखी डाली' एकांकी पारिवारिक जीवन की विडंबनाओं का यथार्थपरक चित्रण है - विचार कीजिए। (12)

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7987 **IC**

Unique Paper Code : 12057503

Name of the Paper : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Name of the Course : **B.A. (H.) Hindi, CBCS – DSE-I**

Semester : V

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. स्त्री-विमर्श को स्पष्ट करते हुए नारी मुक्ति आन्दोलनों पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

दलित-विमर्श को दिशा लेने में ज्योतिबा फूले और डॉ. भीमराव अम्बेडकर के योगदान की चर्चा कीजिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

2. किन्हीं तीन अंशों की व्याख्या कीजिए :- (10×3=30)

(क) "बात सिर्फ हदीश की नहीं, बल्कि ईमानदारी से एक रास्ता चुनने की है। जिन्दगी का कोई नजरिया तो होना चाहिए जब आप उस पर चलते हैं तो भटकन कम होगी और सुकून और इन्साफ भी तयशुदा कानून के मुताबिक आपको मिलेगा, वरना जंगल का कानून आपका मानना पड़ेगा और इंसानी दुखों का कोई अंत नहीं होगा।"

अथवा

"सनातन आखेटक, हिरणी-त्रयीं और उनके तीनों शिशुयों के नक्षत्र-दृश्य की गुत्थी गोविन्द-गुरु क मस्तिष्क की किसी कंदरा में अटक कर रह गई। रात का तीसरा पहर समाप्तह हो रहा था। थके-मादे शरीर को आराम देने के लिए नींद को दबे पाँव आना ही होता है। गोविन्द गुरु की झपकती पलकों की गति धीमी हुई और उन्हें पता ही नहीं चला कि उन्हें नींद कब आ गई। वस्तुत: नींद का आगाज होता तो भी कुछ इसी तरह है"।

(ख) शंकित हो मत बैठ कूल पर ओ मांझी,
तेरी वह पतवार रूप है साहिल का
यह तो सच, हर भोर सांध्य सन्देश है,
रोक सका न कौन प्रचंद प्रकाश को?
आज कल्पना विचर रही हिमालय में,
दीख रहा प्रासाद कुटी के छेद से,
वैभव मिले सरलता से तो ठीक है,

Scanned by CamScanner

वैभव नहीं, मिले तो अरे विभेद से
कितने सावन आए, आकर लौट गए।
कौन बुझा पाया तृषित की प्यास को ?

अथवा

यात्रा लेकिन यहीं समाप्त नहीं हुई है
अभी पार करनी है कई और खाइयाँ फटकारों की
दुख के एक दो और समुद्र
पठार यातनाओं के अभी और दो चार
जब आखिर आएगी वह औरत
जिसे देख तुम और भी विस्मित होओगी
भयभीत भी शायद

(ग) मेरे साथ मेरा अकेलापन हमेशा रहा है, पर यह अकेलापन मुझे जीवन का अर्थ भी समझाता रहा है। मैंने अपने आपको बचाया है, अपने मूल्यों को जीवन में सँजोया। हाँ, टूटी हूँ, बार-बार टूटी हूँ..... पर कहीं तो चोट के निशान नहीं.... दुनिया के पैरों तले रौंदी गई, पर मैं मिट्टी के लौंदे में परिवर्तित नहीं हो पाई। इस उम्र मे भी एक पूरी की पूरी साबुत औरत हूँ, जो जिन्दगी को झेल नही रही बल्कि हँसते हुए जी रही है, जिसे अपनी उपलब्धियों पर नाज है। दोस्ती का हाथ बढ़ाकर जिसकी गर्म हथेलियाँ हर किसी को अपने करीब खींच लेती है।

अथवा

Scanned by CamScanner

मैं वही पर खड़ा था। मैंने बहुत जोर से पिता जी को एक तमाचा मारा। उन्होंने मुझे उलटकर वैसे ही मारा। उनका तमाचा, इतनी जोर का था कि मैं कुछ देर के लिए चौंधियाँ सा गया था। फिर कुछ पल के लिए कुछ भी दिखाई नहीं दिया। मुझे ऐसा लगा मानो मैं अँधा सा हो गया। किन्तु इस घटना का परिणाम यह हुआ कि आगे पिताजी माँ को मारने से घबराने लगे। बस्ती के लगभग सभी लोगों ने मुझे सहीं ठहराया। आगे चलकर पिता जी के प्रति मेरी घृणा विकराल रूप लेती चली गई।

3. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :- (10×3=30)

(क) 'अन्या से अनन्या' मे अभिव्यक्त स्त्री चेतना।

(ख) 'सलाम' कहानी में व्यक्त दलित जीवन के प्रश्न।

(ग) सहानुभूति बनाम स्वानुभूति।

(घ) समाजवादी नारीवाद।

(ङ) स्त्री-विमर्श की दृष्टि से 'खुदा की वापसी' की समीखा।

(च) जल, जंगल और जमीन का प्रश्न।

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7988** **IC**

Unique Paper Code : 12057504

Name of the Course : **B.A.(Hons.) Hindi-CBCS - DSE - 1**

Name of the Paper : भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(अ) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(ब) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाटक का विधागत वैशिष्ट्य स्पष्ट करते हुए पाश्चात्य दृष्टि से नाट्य-तत्वों का विवेचन कीजिए। 15

अथवा

'नाटक और रंगमंच परस्पर आश्रित हैं.' – कथन की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

2. रंगकर्म में अभिनेता के महत्त्व और भूमिका पर विचार कीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में अरस्तू के विरेचन सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

3. त्रासदी का स्वरुप स्पष्ट करते हुए इसके प्रमुख तत्वों का परिचय दीजिए। 15

अथवा

नाटक के सन्दर्भ में भरत मुनि के रस सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए

4. रूपक की परिभाषा देते हुए इसके प्रमुख भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। 15

अथवा

नुक्कड़ नाटक से आप क्या समझते हैं ? इसकी प्रस्तुति-शैली के विषय में विस्तार से लिखिए।

5. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 7.5+7.5=15

(क) नाट्यानुभूति और रंगानुभूति

(ख) एकांकी

Scanned by CamScanner

(ग) नाटककार

(घ) फार्स

(ङ) काव्य नाटक

Scanned by CamScanner

[This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : 8150

Unique Paper Code : 12057505 IC

Name of the Paper : भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi-CBCS-DSE II

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी विविधता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भाषा, साहित्य और संस्कृति का अन्तःसंबंध स्पष्ट करते हुए भारतीय साहित्य के सामासिक स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 12

2. वैदिक साहित्य की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

अपभ्रंश साहित्य का परिचय देते हुए उसके योगदान की चर्चा कीजिए। 12

3. आधुनिकता-पूर्व बांग्ला पद्य साहित्य पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

अथवा

उर्दू साहित्य के योगदान पर एक लेख लिखिए। 12

भक्ति आंदोलन की सामाजिक भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय साहित्य में उत्तर आधुनिक संदर्भों की चर्चा कीजिए। 12

किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 9×3=27

(*i*) नवजागरण

(*ii*) पालि साहित्य

(*iii*) लौकिक संस्कृत साहित्य

(*iv*) आधुनिकता-पूर्व उड़िया साहित्य

(*v*) भक्ति आंदोलन और पंजाबी साहित्य

(*vi*) नवजागरण का महत्व

(*vii*) मणिपुरी गद्य साहित्य।

.....

Scanned by CamScanner